

न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, खालियर

R-3511-1114

पकरण क्रमांक 12048 निगरानी

- १- बासुदेव पुत्र जीधा कोली,
 - २- देवीवन पुत्र भागीरथ गुसाह,
 - ३- देवेन्द्र पुत्र प्रीत्तम,
 - ४- दर्शन पुत्र विष्णु
 - ५- श्रीक पुत्र वृन्दावन त्यागी,
 - ६- माताशरण पुत्र पंचम त्यागी,
 - ७- व्दारिका पुत्र रामस्वरूप त्यागी,
 - ८- नरेश पुत्र जयमन्त त्यागी,
- समस्त निवासीगण ग्राम- बुढेरा, तेहसील जौरा,
जिला मुरैना (मध्यप्रदेश) ।

----- प्राथमिण

श्री राज. वं. मन्त्री, खालियर
दिनांक आज दि. 15-10-1984
प्रस्तुत

बिराध

१- लक्ष्मण त्यागी पुत्र हीतरिया त्यागी,
निवासी ग्राम बुढेरा तेहसील जौरा,
जिला मुरैना (मध्यप्रदेश) ।

२- लक्ष्मण पुत्र गौविन्द कुशाह,
निवासी सिध्दपुरा मौजा बुढेरा,
तेहसील जौरा, जिला मुरैना (मध्यप्रदेश) ।

मध्यप्रदेश शासन ----- प्रतिप्राथमिण
मीरा पुत्री प्रीत्तम निवासिन ग्राम बुढेरा,
तेहसील जौरा, जिला-मुरैना (मध्यप्रदेश)

----- पुत्ररतीवी प्रति-
प्राथी ।

निगरानी बिराध आदेश कलेक्टर महोदय, जिला मुरैना दिनांकी
१६-०६-१४ अन्तर्गत धारा ५० मध्यप्रदेश मू-राजस्व संहिता, १९५६,
पृ०क० १४।२०६१-२०६२ स्व-निगरानी ।

Handwritten signature



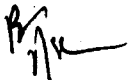
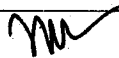
राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश - ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक 3511-दो/2014 निगरानी

जिला मुरैना

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ता
14.2.17	<p>पूर्व पेशी पर पक्षकारों के अभिभाषकों के तर्क सुने जा चुके हैं। प्रकरण आदेश हेतु प्रस्तुत। अवलोकन किया गया। यह निगरानी कलेक्टर जिला मुरैना के प्रकरण क्रमांक 14/2011-12 स्वमेव निगरानी में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 19-9-14 के विरुद्ध म0प्र0भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत हुई है।</p> <p>2/ उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं अधीनस्थ न्यायलय के अभिलेख के अवलोकन से परिलक्षित है कि नायब तहसीलदार जौरा द्वारा प्रकरण क्रमांक 174/1994-95 बी-121 में पारित आदेश दिनांक 30-11-1995 से अनावेदक क्रमांक एक से दस के हित में भूमि का आवंटन किया गया है, जिसके विरुद्ध दिनांक 21-11-2011 को कलेक्टर मुरैना ने स्वमेव निगरानी दर्ज कर आवंटितियों के विरुद्ध कार्यवाही प्रारंभ की है।</p> <p>कलेक्टर मुरैना के समक्ष सुनवाई के दौरान अनावेदक के अभिभाषक ने आपत्ति दर्ज कराई है कि अनावेदक क्रमांक 5 सुनीता का 2 वर्ष पूर्व स्वर्गवास हो गया है किन्तु वारिसों को समय पर रिकार्ड पर न लेने के कारण निगरानी अवैत है इसलिये इसी-स्तर पर निरस्त की जाय, किन्तु कलेक्टर मुरैना ने इस पर विचार न करते हुये</p>	

अनावेदकगण को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्णय लिया है इसी आदेश के विरुद्ध यह निगरानी है।

2/ प्रकरण के अवलोकन पर स्थिति यह है कि नायव तहसीलदार जौरा द्वारा प्रकरण क्रमांक 174/ 1994-95 बी-121 में पारित आदेश दिनांक 30-11-1995 के विरुद्ध कलेक्टर मुरैना ने दिनांक 21-11-2011 को स्वमेव निगरानी पंजीबद्ध की है। आवेदकगण के अभिभाषक ने आपत्ति की है कि स्वमेव निगरानी अत्याधिक विलम्ब से है जो प्रचलन योग्य नहीं है। प्रकरण के परीक्षण पर स्थिति यह है कि -

1. भू राजस्व संहिता, 1959 (म0प्र0) धारा-47 एवं परिसीमा अधिनियम 1963 की धारा-5 - याची द्वारा पट्टा प्राप्त कर भूमिस्वामी स्वत्व प्राप्त किया गया - ऐसे आवंटन आदेश के विरुद्ध स्वमेव निगरानी के लिये एक वर्ष का समय अयुक्तियुक्त है।

2. काशीराम विरुद्ध हरिराम 2008(1) एमपीएलजे 282 = 2008 (1) एमपीएचटी 170 में न्याय दृष्टांत है कि याची द्वारा 2 हेक्टर भूमि आवंटन में प्राप्त कर भूमिस्वामी स्वत्व प्राप्त किये - 13-14 वर्ष व्यतीत होने पर पुनरीक्षण का अधिकार नहीं है।

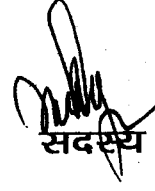
विचाराधीन प्रकरण में कलेक्टर मुरैना ने नायव तहसीलदार के भूमि आवंटन आदेश दिनांक 30-11-95 के विरुद्ध 21-11-11 को अर्थात् 16 वर्ष के अन्तर से स्वमेव निगरानी पंजीबद्ध की है जिसके कारण कलेक्टर द्वारा की जा रही स्वमेव निगरानी की कार्यवाही दूषित है।

3/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर कलेक्टर मुरैना द्वारा

(4)

प्रकरण क्रमांक 3511-दो/2014 निगरानी

अंतरिम आदेश दिनांक 21-11-11 से नायब तहसीलदार जौरा के भूमि आवंटन आदेश दिनांक 30-11-95 के विरुद्ध अंतरिम आदेश दिनांक 21-11-11 से स्वमेव निगरानी पंजीबद्ध करने हेतु लिया गया निर्णय तथा अंतरिम आदेश दिनांक दिनांक 19-9-14 से आवेदकगण को कारण बताओ सूचना जारी करने हेतु लिया गया निर्णय त्रुटिपूर्ण होने से निरस्त किया जाता है एवं निगरानी स्वीकार की जाती है।


सदस्य

